

**धर्मातिक्रमण** पुं. (तत्.) धर्म का उल्लंघन उदा. किसी भी धर्म प्रधान समाज में धर्मातिक्रमण सामाजिक तनाव पैदा करता है।

**धर्मात्मज** पुं. (तत्.) 1. धर्मपुत्र 2. धर्मराज युधिष्ठिर।

**धर्मात्मा** वि. (तत्.) धर्म करने वाला, धर्मनिष्ठ, धर्मशील प्रयो. अशोक धर्मात्मा सम्राट थे।

**धर्मार्थ** पुं. (तत्.) 1. धर्म के निमित्त, परोपकार, धर्म या पुण्य के उद्देश्य से किया गया कार्य प्रयो. वे अनाथालय को प्रतिमाह धर्मार्थ सौ रुपये भिजवाते हैं।

**धर्मार्थी** वि. (तत्.) धर्म एवं उसके फल की इच्छा रखने वाला, धर्म कार्य करने वाला।

**धर्मादा** पुं. (तत्.) धर्म-कार्य के लिए निकाला हुआ धन, धर्मस्व।

**धर्माधर्म** पुं. (तत्.) धर्म और अधर्म उदा. उस कुकृत्य को करते समय उसने धर्माधर्म का तनिक भी ख्याल नहीं रखा।

**धर्माधर्मविद्** पुं. (तत्.) धर्म एवं अधर्म का ज्ञाता, मीमांसक।

**धर्माधिकरण** पुं. (तत्.) 1. स्थान जहाँ राजा मुकदमों पर विचार करता है, न्यायालय।

**धर्माधिकरणिक** पुं. (तत्.) धर्म-अधर्म की व्यवस्था देने वाला, राजकर्मचारी, न्यायाधीश।

**धर्माधिकरणी** पुं. (तत्.) न्यायाधीश।

**धर्माधिकार** पुं. (तत्.) 1. धार्मिक कार्यों का निरीक्षण 2. न्याय-व्यवस्था 3. न्यायाधीश का पद।

**धर्माधिकारी** पुं. (तत्.) 1. धर्म-अधर्म की व्यवस्था देने वाला राजकर्मचारी 2. न्यायाधीश 3. पुराने जमाने में हिंदू राजाओं व धनवानों का वह अधिकारी जो धार्मिक कृत्यों को संपन्न करवाता था।

**धर्माधिकृत** पुं. (तत्.) दे. धर्माध्यक्ष।

**धर्माधिष्ठान** पुं. (तत्.) न्यायालय।

**धर्माध्यक्ष** पुं. (तत्.) 1. धर्माधिकारी 2. विष्णु 3. शिव।

**धर्मानुप्राणित** वि. (तत्.) धर्म से प्रभावित, धर्ममय उदा. यज्ञस्थल पर समूचा वातावरण धर्मानुप्राणित था।

**धर्मानुष्ठान** पुं. (तत्.) 1. धार्मिक कार्य, धर्माचरण, धर्म के अनुसार व्यवहार 2. सदाचरण 3. यज्ञ/दानादि संबंधी बड़ा धार्मिक कार्य प्रयो. वे पूरी निष्ठा के साथ धर्मानुष्ठान किया करते थे।

**धर्मानुस्मृति** स्त्री. (तत्.) धर्म-अनुचिंतन, धर्म का अनुशीलन।

**धर्मापेत** वि. (तत्.) जो धर्म के अनुकूल न हो, धर्मसंगत न हो, अधार्मिक पुं. 1 अधर्म 2. अन्याय 3. पाप।

**धर्माभास** पुं. (तत्.) धर्म का भ्रम या आभास, ऐसा धर्म जिसे धर्म तो समझा जाता है पर वह वस्तुतः श्रुति-स्मृतियों की शिक्षाओं के अनुरूप नहीं होता है।

**धर्मारण्य** पुं. (तत्.) 1. तपोवन 2. वराह पुराण के अनुसार वह सघन वन जहाँ चंद्रमा द्वारा गुरुपत्नी तारा के हरण के बाद व्याकुल होकर धर्म लज्जावश जा छिपा था 3. गया के निकट तीर्थ स्थान 4. बृहत्संहिता के अनुसार कूर्म विभाग के मध्य में स्थित एक प्रदेश।

**धर्मावतार** पुं. (तत्.) 1. बड़े धर्मात्मा जो साक्षात धर्म के अवतार या स्वरूप जान पड़ें 2. धर्म-अधर्म का निर्णय करने वाला न्यायाधीश 3. युधिष्ठिर।

**धर्माश्रित** वि. (तत्.) धर्म पर आधारित, धर्म-सम्मत प्रयो. उनका कृत्य पूर्णतः धर्माश्रित था।

**धर्मासन** पुं. (तत्.) आसन जिस पर बैठ कर धर्म-अधर्म का विचार किया जाए, न्यायाधीश का आसन।

**धर्मास्तिकाय** पुं. (तत्.) जैन शास्त्रों के अनुसार छह द्रव्यों में से एक जो अरूपी होता है और जीव तथा पुद्गल की गति का आधार माना गया है।

**धर्मिणी** स्त्री. (तत्.) 1. पत्नी 2. रेणुका वि. धर्म करने वाली टि. हिंदी में इसका प्रयोग समस्त पदों के साथ होता है।